

सहायक आग्निशामन आधिकारी (A.F.O.)



भर्ती परीक्षा - 2021

RAJASTHAN SUBORDINATE AND MINISTERIAL SERVICE
SELECTION BOARD (RSMSSB)

भाग - 3

VICE

निंग

विज्ञान

1. भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन

- ऑक्सीजन एवं अचयन अभिक्रियाएँ, उत्प्रेरक

2. कार्बन तथा कार्बन के महत्वपूर्ण यौगिक

- हाईड्रोकार्बन, कार्बन के अपररूप, क्लोरो - फ्लुओरो कार्बन या फ्रियाँन, सी.एन.जी, बहुलक, साबुन एवं अपमार्जक

3. अंतरिक्ष एवं सूचना प्रौद्योगिकी

- भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम

4. आनुवंशिकी से संबंधित सामान्य शब्दावली

- मेंडल के आनुवंशिकता के नियम, गुणसूत्रों की संरचना, न्यूक्लिक अम्ल, प्रोटीन संश्लेषण का केन्द्रीय सिद्धांत, मनुष्य में लिंग निर्धारण

5. रक्त समूह

- रक्ताधान, आर.एच.कारक, रोगाणु तथा मानव स्वास्थ्य, कुपोषण तथा मानव स्वास्थ्य, मानव रोग: कारण एवं निवारण

REASONING

1. कोडिंग - डिकोडिंग

2. कथन एवं तर्क

3. कथन एवं कार्यवाही

4. कथन एवं निष्कर्ष

5. कथन एवं मान्यताएँ या पूर्वनिमान

6. रक्त सबध

7. श्रृंखला

8. सार्थक क्रम

9. आकृतिक की गणना

फायरमैन कोर्स

अध्याय - 1. अग्नि का परिचय

अध्याय - 2. आग की रचना

अध्याय - 3. केमिस्ट्री ऑफ फायर

अध्याय - 4. प्राथमिक आग बुझाने के उपकरण

अध्याय - 5. फिक्स्ड इंस्टालेशन

अध्याय - 6. हॉज व हॉज फिटिंग

अध्याय - 7. फायर फायटिंग के उपकरण

अध्याय - 8. साल्वेज

अध्याय - 9. विद्युत से आग के खतरे

अध्याय - 10. कृत्रिम श्वसन क्रिया एवं ड्रिल

अध्याय - 11. एयरक्राफ्ट तथा रेसस्कु

अध्याय - 12. शहरी आग एवं ग्रामीण आग

अध्याय - 13. फायर सेवा और प्रशासन

अध्याय - 14. रोप व लाइन एवं ड्रिल

अध्याय - 15. भारतीय मानक

अध्याय - 16. प्राथमिक चिकित्सा

अध्याय - 17. वाचस्म और कंट्रोल स्म

अध्याय - 18. भवन निर्माण एवं वर्गीकरण

अध्याय - 19. ड्रिल

अध्याय - 20. बी. ए. सेट ड्रिल

अध्याय - 21. वेंटिलेशन व्यवस्था

अध्याय - 22. नॅशनल बिल्डिंग कोड

अध्याय - 23. अग्निशमन से संबंधित मानक

अध्याय - 24. ऑयल इंडस्ट्रीज सेफ्टी डॉक्टरेट

अध्याय - 25. पेट्रोलियम अधिनियम 1934 एवं पेट्रोलियम नियम 2002

अध्याय - 26. विस्फोटक नियम - 2005

अध्याय - 27. कारखाना नियम - 1948

अध्याय - 28. आपदा प्रबंधन - 2005

अध्याय - 29. राजस्थान भवन विनियम - 2020

अध्याय - 30. दुर्घटना स्थल पर सावधानियाँ

अध्याय - 31. रिपोर्ट एंड राईटिंग

अध्याय - 32. द्रव्य विज्ञान



अध्याय - 1

अग्नि का परिचय

अग्नि रासायनिक दृष्टि से अग्नि जीव जनित दहनशील पदार्थों का तीव्र ऑक्सीकरण है, जिससे उष्मा, प्रकाश और अन्य अनेक रासायनिक प्रतिकारक उत्पाद जैसे कार्बन डाइऑक्साइड और गर्मी उत्पन्न होते हैं।

आग का मानव जीवन में बड़ी ही भूमिका रही है / हिन्दू धर्म में अग्नि को बड़ा ही पवित्र माना है / क्योंकि हिन्दू धर्म में अग्नि मुक्ति का रास्ता है / अग्नि का उपयोग मनुष्य अपने दिनचर्या में कही तरह से करते हैं /

आज भी पृथ्वी पर बहुत - जंगली जातियाँ निवास करती हैं / जिनकी सभ्यता एकदम प्रारम्भिक है किंतु उन्हें भी अग्नि का ज्ञान है / इसलिए अग्नि मानव सभ्यता का प्रमुख अंग है / अग्नि का पर्याय शब्द पावक होता है / जिसका शाब्दिक अर्थ पवित्र होता है / यानि आग हमेशा पवित्र है /

अग्नि की बड़ी ही उयोगिता है / यह घर में खाना बनने से लेकर परमाणु बम द्वारा नगर के नगर भस्म कर देना अग्नि का हि कार्य है / अग्नि से ही खनिज पदार्थों से धातुएँ निकाली जाती हैं, अग्नि के द्वारा ही शक्ति उत्पादक इंजन चलते हैं /

अग्नि की उत्पत्ति -

भूमि में दबे अवशेषों ज्ञात होता है की प्रायः आग की खोज आदिमानव काल में ही हो गयी थी। आदिमानव ने आग की खोज पत्थरों को घर्षण कर के की थी, जब वो पत्थर को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जा रहे थे तो गलती से पत्थर एक दूसरे के ऊपर गिरे और आदिमानव ने पत्थरों के टकराने से उत्पन्न चिनगारियाँ को देखा होगा / तब से आदिमानव घर्षण विधि से से आग जलाने लगा और भोजन को पकाकर खाने लगा /

आग का प्रयोग लगभग 125,000 साल पहले पता चला / घर्षणविधि से आग उत्पन्न करने की सबसे सरल और प्रचलित विधि लकड़ी के पट्टे पर लकड़ी की छड़ रगड़ने की है और प्राचीन भारत में भी इस विधि का प्रचलन था। इस यंत्र को अरणी भी कहते थे इस विधि से

आग उत्पन्न करना भारत के अतिरिक्त श्रीलंका, सुमात्रा, आस्ट्रेलिया और दक्षिणी अफ्रीका में भी प्रचलित था।

और सन् 1830 के बाद से दियासलाई का आविष्कार हो जाने के कारण आग प्रचलित रखने की विधि आई थी और आज मानव जीवन में आग के बहुत उपयोग हैं यदि आग नहीं होती तो मानव जीवन इतना सरल नहीं होता और जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ी, लोग आग के सहारे ही अधिकाधिक ठंडे देशों में रहने लगे।

एक बार चार्ल्स डार्विन ने टाहिती में देखा (दक्षिणी प्रशांत महासागर का द्वीप जहाँ स्थानीय आदिवासी हो बसते हैं) में देखा कि वहाँ के निवासी इस विधि से कुछ ही सैकेंड में अग्नि की उत्पन्न कर लेते हैं। जो आधुनिक मानव द्वारा बड़ा ही मुश्किल कार्य है।

अग्नि का मानव संस्कृतिक तथा वैज्ञानिक उन्नति में बहुत बड़ा भाग रहा है। लैटिन भाषा में अग्नि प्यूरस अर्थात् पवित्र कहा जाता है।

विद्युत काल में अग्नि -

मोटर के इंजनों में पेट्रोल जलाने के लिए बिजली की चिनगारी (स्पाक) का उपयोग होता है, क्योंकि ऐसी चिनगारी अभीष्ट क्षणों पर उत्पन्न की जा सकती है।

मकानों में कभी-कभी बिजली के तार में खराबी आ जाने (शॉर्ट सर्किट) से आग लग जाती है।

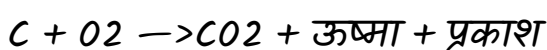
ताल (लेन्ज़) तथा अवतल (कॉन्केव) दर्पण से सूर्य की रोशनी को एकत्रित करके भी अग्नि उत्पन्न की जा सकती है।

दहन -

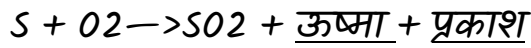
किसी पदार्थ के ऑक्सीजन में जलने पर ऊष्मा और प्रकाश उत्पन्न होते हैं। जलने की इस क्रिया को दहन कहते हैं।

उदाहरण :

(i) कार्बन को वायु में जलाने पर कार्बन डाइऑक्साइड बनता है। इसमें ऊष्मा और प्रकाश भी उत्पन्न होते हैं।



(ii) वायु में गंधक (S) को जलाने पर सल्फर डाइऑक्साइड बनता है तथा ऊष्मा और प्रकाश भी उत्पन्न होते हैं।



दहन की आधुनिक परिभाषा -

दहन वह रासायनिक अभिक्रिया है जिसमें ऊष्मा और प्रकाश उत्पन्न होते हैं तथा उत्पन्न ऊष्मा अभिक्रिया को चालू रखने के लिए पर्याप्त होती है।

दहन एक ऑक्सीकरण क्रिया है दहन में पदार्थ का ऑक्सीकरण होता है। जो पदार्थ जलता है, उसे दहनशील या ज्वलनशील कहते हैं। कार्बन, गंधक, मैग्नीशियम और मोमबत्ती दहनशील पदार्थ हैं तथा वायु, नाइट्रोजन एवं क्लोरीन दहन के पोषक हैं।

विज्ञान के इतिहास में दहन से संबंधी सिद्धान्तों का विशेष महत्त्व रहा है।

मध्यकालीन युग तक लोग अग्नि को एक तत्त्व मानते रहे। रॉबर्ट बॉयल तथा रॉबर्ट हुक ने यह दिखलाया कि यदि बर्तन से हवा निकाल दी जाती है तो उसमें गंधक या कोयला नहीं जलेगा और यदि उसमें पुनः हवा भर दी जाये तो वह फिर से जल उठेगा।

दहन ऊष्मा - किसी तत्त्व या यौगिक की ग्राम अणु मात्रा को ऑक्सीजन में स्थिर आयतन पर पूर्णतया जलाने से जितनी ऊष्मा निकलती है उसे उस तत्त्व या यौगिक की दहन ऊष्मा कहते हैं। दहन ऊष्मा को बॉम्ब कैलोरीमापी की सहायता से मापी जाती है।

स्टाल (जी. ईस्टाल) - 18वीं शताब्दी के आरम्भ में फ्लोविस्टन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। किन्तु स्टाल ने बॉयल द्वारा ज्ञात तथ्यों की ओर ध्यान नहीं दिया।

उसने यह बताया कि प्रत्येक दहन पदार्थ दो प्रमुख अवयवों से बना होता है। एक फ्लोविस्टन जो दहन क्रिया होने पर निकल जाता है तथा दूसरा राख (CALX) जो बाद में बची रहती है। यह विचारधारा सन् 1774 ई. तक प्रचलित रही है।

सन् 1775 में प्रीस्टले और शेले नामक दो वैज्ञानिकों ने एक गैस का पता लगाया जिसका नाम बाद में लाव्वाज्ये नामक वैज्ञानिक ने ऑक्सीजन O_2 रखा।

सन् 1783 में लाव्वाज्ये ने एक सुझाव रखा कि हवा का सक्रिय भाग O_2 , ऑक्सीजन है।

दहन प्रक्रिया इसी पर आधारित है। क्योंकि दहन में इसी की आवश्यकता पड़ती है। बिना ऑक्सीजन के दहन संभव नहीं है। लाव्वाज्ये ने साथ में यह भी बतलाया कि दहन पदार्थों के साथ जलते समय ऑक्सीजन गैस रासायनिक संयोग करता है। जिसे केमिकल चें रियक्शन कहते हैं।

लकड़ी तथा कोयले के जलने पर सबसे पहले उनमें से वाष्पशील पदार्थ निकलते हैं जिनमें कुछ-कुछ गैसों का मिश्रण होता है इसके बाद बचा हुआ कोयला ऑक्सीजन की सहायता से जलता रहता है और इसकी जलने की गति उसकी ऑक्सीजन पहुँचने पर निर्भर करता है।

अपूर्ण दहन होने पर कार्बन मोनोक्साइड नामक एक विषैली गैस बनती है। साधारणतया ईंधन के ऊपरी भाग का पर्याप्त ऑक्सीजन O_2 प्राप्त हो

जाने से वह जलकर O_2 गैस कार्बन डाइक्साइड बनता है किन्तु यदि हवा

निकलने का ठीक प्रबंध नहीं हो रहा है तो यह कमरों में इकट्ठी होती

रहती है और मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होती है।

यदि दहनशील पदार्थ अधिक मात्रा में एकत्रित किये जाए तो कभी-कभी

उनमें स्वतः दहन हो जाता है जिसे स्पॉन्टेनियस कम्बक्शन कहते हैं।

दहन / आग का रसायन

आग एक रासायनिक प्रतिक्रिया है जिसमें मूल पदार्थ ऊष्मा और ऑक्सीजन के साथ संपर्क में आते हैं और वह जलने लगते हैं जिससे प्रकाश गर्मी धुआँ तथा कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होता है, आग कहलाता है।

पदार्थ की परिभाषा - वह वस्तु जिसका एक आयतन व भार है, एवं जगह घेरती हो उसे पदार्थ कहते हैं।

उद्धरण के तौर पर, एक कार जिसका वजन होता है और वह जगह भी घेरती है उसे पदार्थ कहेंगे।

पदार्थ मूल रूप से तीन प्रकार के होते हैं -

1. ठोस 2. द्रव 3. गैस

1. ठोस पदार्थ - वैसे पदार्थ जिसका आकार एवं आयतन दोनों निश्चित होता है उसे ठोस पदार्थ कहते हैं। जैसे - लकड़ी, कोयल आदि।

2. द्रव पदार्थ - ऐसे पदार्थ जिनका आयतन तो निश्चित होता है लेकिन आकार अनिश्चित होता है उसे द्रव पदार्थ कहते हैं। जैसे - पानी, पेट्रोल।

3. गैस पदार्थ - पदार्थ की वह भौतिक अवस्था जिसका आकार एवं आयतन दोनों अनिश्चित हो गैस कहलाती है। जैसे - हवा में ऑक्सीजन।

पदार्थ की परिभाषा -

अवस्थाएँ में परिवर्तन

पदार्थ की अवस्थाएँ

रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान में पदार्थ (matter) उसे कहते हैं जो स्थान घेरता है व जिसमें द्रव्यमान होता है।

पदार्थ और ऊर्जा दो अलग-अलग वस्तुएं हैं। विज्ञान के आरम्भिक विकास के दिनों में ऐसा माना जाता था कि पदार्थ न तो उत्पन्न किया जा सकता है, न नष्ट ही किया जा सकता है, अर्थात् पदार्थ अविनाशी है। इसे पदार्थ की अविनाशिता का नियम कहा जाता था। किन्तु अब यह स्थापित हो गया है कि पदार्थ और ऊर्जा का परस्पर परिवर्तन सम्भव है। यह परिवर्तन आइन्स्टीन के प्रसिद्ध समीकरण $E=mc^2$ के अनुसार होता है।

पदार्थ के कणों की विशेषताएँ-

- पदार्थ के कण बहुत छोटे होते हैं।
- पदार्थ के कणों के बीच स्थान होता है।
- पदार्थ के कण निरंतर घूमते रहते हैं।
- पदार्थ के कण एक दूसरे को आकर्षित करते हैं।

विशेषताएँ -

Whatsapp- <https://wa.link/7e0tfn>

Website- <https://bit.ly/fireman-notes>

1. ठोस पदार्थ विशेषता -

ठोस में, कण बारीकी से भरे होते हैं। ठोस के कणों में आकर्षण बल अधिक होने के कारण इनका निश्चित आकार और आयतन होता है। ठोस के कुछ आम उद्हरण - जैस पत्थर, ईट, बॉल, कार, बस आदि।

2. द्रव पदार्थ विशेषता -

द्रव में कणों के मध्य बन्धन ठोस की तुलना में कम होती है अतः कण गतिमान होते हैं। इसका निश्चित आकार नहीं होता मतलब इसे जिस आकार में ढाल दो उसी में ढल जाता है लेकिन इसका आयतन निश्चित होता है।

3. गैस पदार्थ विशेषता -

गैस में कणों के मध्य बन्धन ठोस और द्रव की तुलना में कम होती है अतः कण बहुत गतिमान होते हैं। इनका न तो निश्चित आकार और न ही निश्चित आयतन होता है।



पदार्थ की अवस्थाएँ में परिवर्तन

पदार्थ की मूलरूप से तीन अवस्थाओं में पाया जाता है - 1. ठोस अवस्था 2. द्रव अवस्था 3. गैस अवस्था

ताप एवं दाब की निश्चित परिस्थितियों में, कोई पदार्थ किस अवस्था में रहेगा यह पदार्थ के कणों के मध्य के दो विरोधी कारकों अंतराआण्विक बल और उष्मीय ऊर्जा के सम्मिलित प्रभाव पर निर्भर करता है। अंतराआण्विक बलों की प्रवृत्ति अणुओं (अथवा परमाणुओं अथवा आयनों) को समीप रखने की होती है, जबकि उष्मीय ऊर्जा की प्रवृत्ति उन कणों को तीव्रगामी बनाकर पृथक रखने की होती है।

उदाहरण - पानी जमाने पर बर्फ के रूप में रह सकता है तथा बर्फ के पिघलने पर पानी के



नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान फायरमैन - 2021 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान फायरमैन - 2021 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 823319571 , 8504091672



अध्याय - 4

प्राथमिक आग बुझाने के उपकरण

प्रस्तावना - आग सर्वप्रथम छोटी अवस्था से ही आरम्भ होती है तथा धीरे - धीरे यह बड़े अवस्था में परिवर्तित हो जाता है / यदि इसे छोटी अवस्था में रोक दिया जाए तो यह बड़े अवस्था में परिवर्तित नहीं होगा / छोटी आग को हम हमारे आस - पास उपलब्ध हल्के - फुल्के यंत्र से सरलता से रोका जा सकता है / यह फर्स्ट एंड फाइटिंग कहलाते हैं /

आग बुझाने के उपकरण -

फर्स्ट एंड फायर फाइटिंग एप्लायंसेज-

1. फायर बकेट
2. फायर बीटर
3. एजबेस्टस ब्लैकेट
4. स्ट्रप पम्प
5. होज रील
6. केमिकल एक्सटिंग्यूशर

फायर बकेट - आपने कभी किसी पेट्रोल पंप या कहीं अन्य स्थानों पर इन बाल्टी को देखे होंगे / जो लाल रंग के होते हैं और इसमें FIRE या आग लिखा हुआ होता है / ये दो गैलन अथवा 9 लीटर पानी की क्षमता वाली होती हैं / इसमें पानी या बालू भरा रहता है , जब इस में पानी भरा रहता है तब इसे वाटर बकेट कहते हैं तथा बालू भरा रहने पर सैंड बकेट कहते हैं /



फायर बीटर - यह उपकरण छोटी - मोटी आग, जंगल की झाड़ियों, घास के मैदानों या खेतों में लगी आग को पीट - पीटकर बुझाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है / यह 3 या 4 फीट लंबे लचकदार डंडे के सिरे पर 9 x 18 के फ्रेम में लोहे की नर्म जाली या किरमिच, बोरी से बनाए जाते हैं /



फायर बीटर का उपयोग करते समय सावधानियाँ -

फायर बीटर का प्रयोग करते समय यह ध्यान रहे कि आग की चिगारियाँ कम से कम उड़े ।

बीटर को कन्धे से ऊँचा न उठने दिया जाय और इस प्रकार किया जाय की चिगारियाँ आग कि ओर ही गिरे, बाहर की ओर नहीं ।

एजबेस्टस ब्लैकेट - एजबेस्टस एक खनिज पदार्थ है जो अपनी ताप अवरोधक के लिए जाना जाता है / यानि इसमें आसानी से आग नहीं लग पाती है / इसे रस्सी के तरह बाँटा जा सकता है / इसी पदार्थ का 4'x 4' यज्ञ 6'x 6' फिट साइज का कम्बल जैसा बना लिया जाता है । जिसके द्वारा छोटी - मोटी आग को ढांक कर अथवा (स्मदरिंगमैथड) से बुझाया जा सकता है ।



एज्वेस्टस ब्लैकैट का प्रयोग :-

ब्लैकैट को एक ओर पकड़कर अपने हाथों और स्वयं को ढकते हुए आग के निकट से निकट पहुंचकर ब्लैकैट को आग पर इस प्रकार डालिए कि आग तक

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान फायरमैन - 2021 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान फायरमैन - 2021 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 823319571, 8504091672



शहरी आग एवं ग्रामीण आग

पृष्ठभूमि:

शहरी आग में शामिल हैं, विकसित क्षेत्रों में अनियंत्रित रूप से आग लगना। इस तरह की घटनाएँ गंभीर चोट पहुँचा सकती हैं, मौत का कारण बन सकती हैं और समाज को गंभीर वित्तीय नुकसान पहुँचा सकती हैं।

शहरी आग से पहले-

आग लगने की स्थिति में आप अपनी, अपने परिवार और अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:

धुआँ अलार्म

धुएँ के अलार्म स्थापित करें। ठीक तरह काम करने वाले धुएँ के अलार्म आग में मरने के अवसरों को आधा कर सकते हैं।

अपने घर के हर तल पर धुएँ के अलार्म लगाएँ। उन्हें बेडरूम के बाहर छत पर या ऊँची दीवार पर (छत से 4-2 इंच ऊपर), खुली सीढ़ियों के शीर्ष पर, या बंद सीढ़ियों के तल पर तथा रसोई - घर के पास (लेकिन भीतर नहीं) लगाएँ।

महीने में एक बार धुएँ के अलार्म की जाँच और सफाई करें तथा साल में कम से कम एक बार बैटरियाँ बदल दें। हर 10 वर्ष में एक बार धुएँ के अलार्म बदलें।

आग से बचना -

अपने परिवार के साथ बचाव मार्गों का पुनरावलोकन करें। प्रत्येक कमरे से भागने का अभ्यास करें।

सुनिश्चित करें कि खिड़कियाँ कीलबंद या पेंट से बंद नहीं की गई हैं। सुनिश्चित करें कि खिड़कियों पर सुरक्षा जालियों में आग सुरक्षा खोलने की सुविधा मौजूद है ताकि वे अंदर से आसानी से खुल सकें।

यदि आपके निवास में एक से अधिक तल हैं तो सीढ़ी से भागने पर विचार करें, और सुनिश्चित करें कि चोर सलाखें और अन्य चोरी-रोधी तंत्र जो बाहर की ओर से खिड़की में प्रवेश को रोकते हैं, अंदर से आसानी से खुलते हों। आग से बच कर भागते समय अपने परिवार के सदस्यों को ज़मीन पर झुके रहना सिखाएँ (जहाँ हवा आग में सुरक्षित होती है)

भंडारण वाली जगह साफ़ करें। पुराने समाचार पत्र और पत्रिकाओं जैसा कबाड़ इकट्ठा न होने दें।

ज्वलनशील पदार्थ

पेट्रोल, बेन्ज़ीन, मिट्टी का तेल, या इसी तरह के ज्वलनशील तरल पदार्थों का घर के अंदर कभी उपयोग न करें।

ज्वलनशील तरल पदार्थों को अच्छे हवादार भंडारण स्थलों पर अनुमोदित कंटेनरों में रखें।

ज्वलनशील तरल पदार्थ के पास कभी धूम्रपान न करें।

ज्वलनशील तरल पदार्थ में भिगोए गए चिथड़ों या सामग्री को उनके उपयोग के बाद फेंक दें। उन्हें किसी धातु के कंटेनर में घर से बाहर सुरक्षित रूप से फेंके।

चिमनियों को इन्सुलेट करें और उनके ऊपर चिगारी रोकने वाले ढक्कन रखें। चिमनी को छत से कम से कम तीन फुट ऊपर होना चाहिए। चिमनी के ऊपर और आस-पास लटकने वाली शाखाओं को हटाएँ।

हीटिंग स्रोत

वैकल्पिक हीटिंग स्रोतों का उपयोग करते समय सावधान रहें।

अपने समुदाय में केरोसिन हीटर का उपयोग करने की वैधता के संबंध में अपने स्थानीय अग्निशमन विभाग से संपर्क करें। सुनिश्चित करें कि केरोसिन हीटर बाहर भरे जाते हैं, और उनका ठंडा होना सुनिश्चित करें।

हीटर को ज्वलनशील सामग्री से कम से कम तीन फुट दूर रखें। सुनिश्चित करें कि फर्श और आस-पास की दीवारें उचित रूप से इन्सुलेट की गई हैं।

आपकी यूनिट के लिए नामित ईंधन का ही प्रयोग करें और निर्माता के निर्देशों का पालन करें।

राख को किसी धातु के कंटेनर में और अपने निवास से दूर स्टोर करें।

खुली लपटों को दीवारों, फर्नीचर, परदे, और ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें।

किसी प्रमाणित विशेषज्ञ द्वारा हर साल हीटिंग यूनिटों का निरीक्षण और सफाई करवाएँ।

माचिस और धूम्रपान

माचिस और लाइट को बच्चों से दूर, ऊँची जगह पर, यदि संभव हो, तो तालाबंद कैबिनेट में रखें।

बिस्तर में या जब उनींदापन हो या दवाई ली हो, तो धूम्रपान कभी न करें। धूम्रपान करने वालों को गहरा, मज़बूत ऐशट्रे उपलब्ध कराएँ। फेंकने से पहले सिगरेट और सिगार के बचे टुकड़ों को पानी में बुझाएँ।

बिजली के तार

किसी इलेक्ट्रिशियन द्वारा अपने घर के बिजली के तारों की जाँच करवाएँ।

अस्त-व्यस्त या खुले तारों या ढीले प्लगों के लिए एक्सटेंशन कॉर्ड का निरीक्षण करें।

सुनिश्चित करें कि आउटलेट में कवर प्लेटें लगी हैं और कोई नंगी तारें नहीं हैं।

सुनिश्चित करें कि गलीचों के नीचे, कील के ऊपर या अधिक यातायात वाले क्षेत्रों में तार नहीं हैं।

एक्सटेंशन कॉर्ड या आउटलेट पर ज्यादा भार न डालें। यदि आपको दो या तीन उपकरणों को प्लग करने की ज़रूरत है, तो चिगारियाँ और शॉर्ट सर्किट रोकने के लिए बिल्ट-इन सर्किट ब्रेकर सहित

ul - अनुमोदित यूनिट लगवाएँ।

सुनिश्चित करें कि इन्सुलेशन नंगे बिजली के तारों को नहीं छू रहा है।

अन्य

अपने दरवाज़े बंद करके सोएँ।

अपने घर में a-b-c टाइप का अग्निशामक लगाएँ और परिवार के सदस्यों को उसके उपयोग का तरीका सिखाएँ।

अपने घर में एक स्वचालित रूप से आग बुझाने वाला यंत्र लगाने पर विचार करें।

अग्नि सुरक्षा और रोकथाम के लिए अपने स्थानीय अग्निशमन विभाग से अपने निवास का निरीक्षण करने के लिए कहें।

शहरी आग के दौरान:

यदि आपके कपड़ों में आग लग जाती है, तो आपको चाहिए कि:

रुके, कपड़े उतारे और लुढ़कने लगे - जब तक कि आग बुझ न जाए। भागने से आग और भी तेज़ी से जलने लगती है।

आग से बचने के लिए आपको चाहिए कि:

बंद दरवाज़ों को खोलने से पहले



नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान फायरमैन - 2021 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान फायरमैन - 2021 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 823319571, 8504091672

फायर सेवा और प्रशासन

प्रस्तावना - फायर सर्विस भी पुलिस व फौज की तरह एक अनुशासित संस्था है। किसी भी शहर में या इण्डस्ट्रीज में आग बुझाने के लिए फायर स्टेशन की आवश्यकता होती है। इसलिए किसी भी शहर में या औद्योगिक क्षेत्रों में फायर स्टेशन होते हैं। इसमें आग बुझाने के साधन होते हैं। फायर स्टेशन बनाने से पहले किसी शहर या औद्योगिक क्षेत्रों या इण्डस्ट्रीज क्षेत्रों में उसका विस्तार पानी की सुविधा और उसकी आय के बारे में सोचकर फायर स्टेशन बनाये जाते हैं। फायर स्टेशन बनाने से पहले फायर स्टेशन का निर्माण करना इसके बारे में इसके बारे में हर फायर मैन को उसकी जानकारी होनी चाहिए।

फायर स्टेशन बनाते समय निम्न बातें ध्यान में रखनी चाहिए-

- सबसे पहले एरिया देखा जाता है।
- जनसंख्या को ध्यान में रखा जाता है।
- पानी की सुविधा अच्छी होनी चाहिए।
- फायर फायटिंग के साधन
- इमारतों की ऊँचाई
- खतरा किस प्रकार का है, कितना है भारी हानि तो नहीं होगी।
- औद्योगिक क्षेत्र के आस पास।

फायर स्टेशन बनाने के लिए जनसंख्या का आधार निर्भर करता है-

50,000 - 1 पंपिंग वाला फायर स्टेशन

1,00,000 - 2 पंपिंग वाला फायर स्टेशन

1,50,000 - 3 पंपिंग वाला फायर स्टेशन

2,00,000 - 4 पंपिंग वाला फायर स्टेशन

(संयुक्त प्रान्त अग्निशमन सेवा अधिनियम 1144)

संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या 1144 या 3,1144 संयुक्त प्रान्त में प्रांतीय अग्निशमन सेवा संघटित करने के लिए।

यह स्पष्ट है कि इस प्रान्त के कई नगरों में अग्निशमन की व्यवस्था का सुधार किया जाये और विशिष्ट : उन नगरों में अग्निशमन दल के लिए कर्मचारियों की व्यवस्था की करने तथा उसका प्रचालन करने के लिए एक प्रांतीय अग्निशमन सेवा संघटित की जाये।

संक्षिप्त नाम - यह अधिनियम संयुक्त प्रान्त अग्निशमन सेवा अधिनियम 1144 कहलाता है।

परिभाषा - तब तक विषय या प्रसंग में कोई बात प्रतिकूल न हो इस अधिनियम में-

पुलिस महानिरीक्षक के वे अर्थ होंगे जो पुलिस एक्ट, 1961 पुलिस अधीक्षक में उनके लिये गये हैं।

सेवा का नाम - उपनगरों में जिनमें यह अधिनियम तत्समय लागू हो, आग बुझाने वाले समस्त कर्मचारी इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए एक दल समझे जायेंगे। जिसका अभिनाम संयुक्त प्रान्त अग्निशमन सेवा और उसमें प्रशासनिक के क्रम से निम्न पंक्तियाँ होगी।

- मुख्य अग्निशमन अधिकारी
- अग्निशमन केन्द्राधिकारी
- द्वितीय अग्निशमन केन्द्राधिकारी
- प्रधान फायरमैन
- फायरमैन तथा ड्राइवर

अधीक्षण, शक्तियाँ और कृत्य -

- संयुक्त प्रान्त अग्निशमन सेवा का अधीक्षण और नियंत्रण पुलिस महानिरीक्षक में, और पुलिस महानिरीक्षक के सामान्य नियंत्रण के अधीन रहते हुए, जिला पुलिस अधीक्षक की अधिकारिता के भीतर, उसमें निहित होगा।

राज्य सरकार पुलिस महानिरीक्षक तथा पुलिस अधीक्षक को उनके कर्तव्यों का पालन करने में सहायता देने के लिये

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान फायरमैन - 2021 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान फायरमैन - 2021 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 823319571, 8504091672





INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO



01414045784



contact@infusionnotes.com



<http://www.infusionnotes.com/>

AVAILABLE ON/  